वेबीनार

"अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव एवं स्वदेशी विचारों का महत्व एवं सार्थकता "

3 जून 2020

3 जून को श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, भोपाल स्कूल आफ सोशल साइंस, आनंद इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क इन तीन संस्थाओं के सामूहिक प्रयास से सैनर्जी 7th सेमिनार "अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव एवं स्वदेशी विचारों का महत्व एवं सार्थकता " इस विषय पर वेबीनार आयोजित किया गया । इस वेबीनार के मुख्य संयोजक ।QAC के प्रमुख डॉ. दीपक शर्मा जी, डॉ. शीबा जी और डॉ निनाद जी इन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ दीपक शर्मा जी ने सभी का स्वागत करते हुए वेबीनार के मुख्य बिंदु और दिशानिर्देश से अवगत कराते हुए कोविड-19 और स्वदेशी विचारों की सार्थकता पर चर्चा की।प्रमुख वक्ता डॉ. विजय कुमार जी, वेदांत हिंदू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय और श्री कमलजीत जी स्वदेशी स्टार्टअप योजना के मुख्य संचालक और अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख, स्वदेशी जागरण इन वक्ताओं ने कोविड-19 और स्वदेशी जागरण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। डॉ विजय कुमार ने कहा जिस नर को अपने देश का अभिमान नहीं , वह नर नहीं नराधम है, पशु समान है ।स्वदेशी एक विचारधारा है । सो हाथों से कमाओ और हजार हाथों से बांट दो। और वैश्वीकरण नहीं विश्व कुटुंब की भावना पर उन्होंने जोर दिया। वैश्वीकरण तो बाजारवाद के साथ जुड़ा हुआ है । हमें रोटी कपड़ा और मकान के साथ पढ़ाई दवाई और स्वाभिमान भी रखना चाहिए । श्री कमलजीत ने आयुर्वेदिक दवाइयां , देसी नुस्खे , काढ़ा इस बात पर जोर दिया । हम भारतीय कभी भी किसी का बुरा नहीं चाहते और हमने अपने देशवासियों की जान को ज्यादा महत्व दिया है। जान है तो जहान है । हमारी आर्थिक व्यवस्था बिगड़ भी गई, तब भी हमने जान को ज्यादा महत्व दिया ।हमें अपनी जरूरतें कम से कम रखनी चाहिए।मंच संचालन डॉ भूपिंदर कौर ने किया और कहा जो नदियां और वातावरण बिना पैसा खर्च किए साफ हो चुका है अब यह हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि हम उसे इसी तरह साफ रखें ।अंत में , आनंद सामाजिक कार्य संस्थान, आनंद के प्रमुख डॉ निनाद झाला ने आए हुए वक्ताओं तथा श्रोताओं को स्वस्थ रहें सुरक्षित रहें कहते हुए धन्यवाद दिया।